क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 324, सोमवार, 24 दिसम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

जाकिर मूसा के संगठन के छह आतंकी ढेर

श्रीनगर एजेंसी। दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में शनिवार सुबह सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में आतंकी जाकिर मूसा के एक करीबी समेत छह आतंकवादी मारे गए। पुलिस इनका संबंध आतंकी जाकिर मूसा के आतंकवादी संगठन अंसार गजवत-उल-हिंद (एजीयूएच) से बता रही है। एजीयूएच का प्रतिबंधित अल-कायदा से नाता है। मारे गए लोग विभिन्न आतंकी गतिविधियों में वांछित थे। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ में कोई भी आम नागरिक हताहत नहीं हुआ है और न ही उसकी संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने बताया कि मारे गए आतंकवादियों की पहचान अरमपोरा (त्राल) के सालेह मोहम्मद अखून, अमलार के फैजल अहमद खानदे, बाटागुंड (त्राल) के नदीम अहमद सोफी, दादसरा (त्राल) के रसिक मीर, रौफ मीर और उमर रमजान के तौर पर हुई है।

खजनी हत्याकांड-15 पर हत्या का केस, 5 गिरफ्तार

खजनी। खजनी पुलिस ने शनिवार को दोनों पक्षों से 15 लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। दुर्गा सिंह के पक्ष से दो और मुंशी यादव के पक्ष से अब तक तीन लोगों को गिरफ्तार हुई है।

गांव में कैम्प कर रही है पुलिस और पीएसी एसपी साउथ और सीओ भी गांव में मौजूद

वहीं गांव में तनाव देखते हुए पुलिस और पीएसी तैनात है। एसपी साउथ और सीओ खजनी गांव में कैम्प कर रही हैं। हत्या के दहशत और गिरफ्तारी के डर से गांव में दोनों पक्षों से सिर्फ महिलाएं बची हैं। पुरुष वर्ग फरार हो गया है।

मुंशी यादव की हत्या में दो गिरफ्तार

मुंशी यादव के बेटे विकास यादव की तहरीर पर दुर्गा सिंह (मृतक), बबलू सिंह, प्रदीप उर्फ गुड्डू सिंह, प्रिंस, दुर्गा सिंह की दोनों बहू व पत्नी के खिलाफ धारा 147,148,149,34,302,120 बी आईपीसी की धारा में केस दर्ज कर पुलिस ने प्रदीप उर्फ गुड्डू व प्रिंस को गिरफ्तार कर लिया है।

दुर्गा और उनकी पत्नी की हत्या में तीन गिरफ्तार

दुर्गा सिंह (मृतक) के बेटे प्रदीप की तहरीर पर पुलिस ने राममनोहर उर्फ मुंशी (मृतक) व विकास, विशाल, डेबा, राजू, मुकेश, सुरेन्द्र को नामजद तथा एक अज्ञात के खिलाफ खिलाफ धारा 147,148,149,34,302,120 बी आईपीसी की धारा में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने मुकेश, राजू और विकास को गिरफ्तार कर लिया है।

विधायक ने किया घटनास्थल का निरीक्षण

सहजनवा क्षेत्र के भाजपा विधायक शीतल पान्डेय ने गांव पहुंच कर घटना स्थल का निरीक्षण किया और दोनों परिवार के लोगों से मुलाकात कर घटना पर सांत्वाना दी। विवादित मकान के सामने मंशी यादव की ट्राली खडी थी। उन्होंने पुलिस को आदेशित किया कि इस ट्राली को तत्काल थाने में भेजवा दिया जाए नहीं तो फिर विवाद हो जाएगा।

गांव एसपी ग्रामीण ने किया कैम्प हत्या के बाद गांव में तनाव देखते

हुए एसपी साउथ विपुल श्रीवास्तव, सीओ खजनी रचना मिश्रा ने पुलिस और पीएसी के साथ गांव में कैम्प किया। गांव में सिर्फ महिलाएं मौजूद हैं। दोनों पक्षों के पुरुष गायब हैं।

दुस्साहस : सीएम योगी की ओर फेंके गए रूमाल में बांधकर पत्थर

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में आयोजित कौशल विकास मेले का आगाज करने शनिवार को पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को विरोध का सामना करना पड़ा। सहजानंद कालेज में आयोजित मेले में शामिल अभ्यर्थियों में से कुछ ने रूमाल में बांधकर मंच की ओर कई पत्थर फेंके। सीएम की मौजूदगी में वहां जमकर हंगामा काटा और नारेबाजी के साथ कमेंट भी किये। इन लोगों ने कंपनीकर्मियों से अभद्रता के बाद काउंटरों पर तोड़फोड़ भी की। हजारों की भीड़ के आगे पुलिस बेबस नजर आई। गाजीपुर के सहजानंद डिग्री कालेज में शनिवार को कौशल विकास मंत्रालय की ओर से रोजगार मेले का आयोजन किया गया था। इसमें देश की कई नामी कंपनियां 5000 युवाओं को रोजगार देने के लिए जुटीं थीं। मेले में हिस्सा लेने के लिए काफी संख्या में युवा उमड़े थे।

केवडिया : कलाकारों के एक समूह के साथ फोटो खिंचवाते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह।

वन अधिकारी को सैलरी से अब तक मिले 60 लाख रुपये, छापे में मिली दो करोड़ की संपज़ि

एजेंसी,इंदौर। मध्यप्रदेश लोकायुक्त पुलिस ने रविवार को इंदौर में वन विभाग के अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओ) आर.के.सक्सेना के ठिकानों पर छापेमारी की। अधिकारियों के मुताबिक इस दौरान दो करोड़ रुपये की बेनामी संपत्ति का खुलासा हुआ है। लोकायुक्त पुलिस के उपाधीक्षक (डीएसपी) प्रवीण सिंह बघेल ने बताया कि सक्सेना के खिलाफ शिकायत मिली थी कि उन्होंने भ्रष्ट तरीकों से बड़े पैमाने पर संपत्ति अर्जित की है। इसपर कार्रवाई करते हुए सक्सेना और उनके नजदीकी रिश्तेदारों के परिसरों समेत कुल पांच ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की गई। उन्होंने बताया कि फिलहाल सक्सेना नजदीकी महू रेंज में पदस्थ हैं। बघेल ने कहा, सक्सेना 1995 में सेवा में है और अब तक उनको वेतन के रूप में 60 लाख रुपये की आय हुई है। लेकिन लोकायुक्त पुलिस को छापों में सुराग मिले हैं उनके पास करीब दो करोड़ रुपये की संपत्ति है। उन्होंने कहा, सक्सेना के घर से 3.54 लाख रुपये की नकदी और सोने-चांदी के जेवरात बरामद किए गए हैं। सक्सेना और उनके करीबी रिश्तेदारों की अचल संपत्तियों में दो भूखंड, तीन हॉस्टल, दो आवासीय भवन और कुछ कृषि भूमि शामिल हैं। डीएसपी ने कहा, सक्सेना और उनके करीबियों के 13 बैंक खातों तथा एक लॉकर की भी जानकारी मिली है। इन्हें तत्काल प्रभाव से फ्रीज कर दिया गया है। उन्होंने कहा, उनकी टीम इंदौर के सांवेर रोड स्थित एक प्लाइवुड कारखाने और कुछ अन्य सम्पत्तियों की जांच कर रही है। संदेह है कि इन्हें सक्सेना ने अपने करीबी लोगों के नाम से खरीद रखा है। ताकि कानून प्रवर्तन एजेंसियों की निगाहों से बचा जा सके। बघेल ने कहा, संपत्तियों के विस्तृत मूल्यांकन का काम जारी है।

नसीरुद्दीन शाह का पाकिस्तान के पीएम इमरान खान को करारा जवाब, कहा- अपने मुल्क को संभालें

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को उनके अल्पसंख्यक वाले बयान पर करारा जवाब दिया है। इमरान खान ने लाहौर में एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि वह मोदी सरकार को दिखा देंगे कि अल्पसंख्यकों के साथ कैसा सलूक किया जाता है। साथ ही पाक पीएम ने कहा था कि भारत में जो कुछ हो रहा है वह मुसलमानों के खिलाफ असहिष्णुता का उदाहरण है। इस पर पलटवार करते हुए नसीरुद्दीन शाह ने इमरान खान को नसीहत देते हुए कहा कि उन्हें उन मुद्दों पर बात नहीं करनी चाहिए जो उनसे संबंधित नहीं हैं। संडे एक्सप्रेस से बात करते हुए नसीरुद्दीन शाह ने कहा, 'मुझे लगता है कि मिस्टर खान को अपने देश पर ध्यान देना चाहिए, बजाय इसके कि वो ऐसे मुद्दों पर कमेंट करें जो उनसे ताल्लुक भी नहीं रखते। हमारे देश में 70 साल से लोकतंत्र बना हुआ है और हम जानते हैं कि हमें अपनी देखभाल कैसे करनी है।'

अनुपम खेर ने साधा नसीरुद्दीन शाह पर

निशाना, पूछा-और कितनी आजादी चाहिए?

दरअसल पाकिस्तानी प्रधानमंत्री खान का बयान नसीरुद्दीन शाह की भारत में भीड़ द्वारा की जाने हिंसा को लेकर टिप्पणी को लेकर जारी विवाद के बीच आया था। नसीरुद्दीन शाह भारत में भीड़ द्वारा पीट पीटकर मार डालने के मामलों को लेकर अपनी टिप्पणी के कारण विवादों में आए थे। एक वीडियो सामने आया था जिसमें नसीरुद्दीन ने कहा था- कई इलाकों में हम देख रहे हैं कि एक पुलिस इंस्पेक्टर की मौत से ज्यादा एक गाय की मौत को अहमियत दी जा रही है। ऐसे माहौल में मुझे अपनी बच्चों के बारे में सोचकर फिक्र होती है। उन्होंने यह टिप्पणी उत्तरप्रदेश के बुलंदशहर में हुई घटना के संदर्भ में की थी। उनके इस बयान का काफी विरोध हो रहा है। पाक पीएम इमरान खान ने इस विवाद में कूदते हुए शनिवार को भारत को नसीहत दी थी कि वह भारत की सरकार को दिखा देंगे कि अल्पसंख्यकों के साथ कैसा सलूक किया जाता है।

भाजपा ही बनवाएगी राम मंदिर, दूसरे तो सिर्फ जनेऊ और गोत्र की बात करते हैं : योगी

एजेंसी ,लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया कि देश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ही ऐसी पार्टी है जिसने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिये कटिबद्धता जाहिर की है जबकि अन्य पार्टियां आस्था से जुड़े इस मसले पर सिर्फ भ्रम फैला रही है। लखनऊ के स्मृति उपवन में रविवार को युवा कुंभ के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुये सीएम योगी ने कहा हम उस दल से ताल्लुक रखते है जो कभी ना कभी राम मंदिर का निर्माण करायेगा। अन्य दलों ने तो जनेऊ और गोत्र की बात कर लोगों को भ्रमित कर रखा है। उन्होंने युवाओं को आश्वस्त किया कि वे राम मंदिर निर्माण को लेकर किये जा रहे आंदोलन से जुड़ेंगे और उसमें अपनी हिस्सेदारी तय करेंगे। विपक्ष पर हमला बोलते हुये योगी ने कहा कुछ लोग अब जनेऊ और गोत्र की बात करने लगे है लेकिन उन लोगों ने कभी राम और कृष्ण के अस्तित्व पर विश्वास नही किया। समारोह के दौरान कुछ युवाओं ने नारे लगाये जो मंदिर बनायेगा, वोट उसी को जायेगा और राज तिलक की करो तैयारी,आ रहे है भगवाधारी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले साल प्रयागराज में कुंभ मेला भव्य और ऐतिहासिक होगा। कुंभ में श्रद्धालुओं को शुद्ध गंगा जल मिलेगा। कुंभ को महिला और पयार्वरण विरोधी करार देने के विपक्ष के कथित बयानों पर कटाक्ष करते हुये उन्होने कहा दुनिया में भारतीय संस्कृति को सबसे अधिक पयार्वरण प्रेमी माना गया है। यह हमारी संस्कृति है जिसने गंगा और गाय को मां का दर्जा दिया है। अब तो यूनेस्को ने भी कुंभ को मान्यता प्रदान कर दी है। उन्होने कहा कि करीब 400 साल पहले मुगल बादशाह अकबर के शासनकाल से बंद पड़े अक्षय वट के दर्शन इस बार कुंभ में आने वाले स्नानार्थियों को सुलभ होंगे। समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कार्यवाह कृष्ण गोपाल ने कहा कि हिन्दू दुनिया भर में सबसे अधिक धर्मनिरपेक्ष हैं। उन्होने कहा बहुसंख्यक हिन्दू आबादी ने इस देश को धर्मनिरपेक्ष बनाने में महती भूमिका अदा की है। यही समुदाय है जिसने देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्य बनाये रखा है।

पुलिस की लापरवाही में गई तीनों जान, दरोगा सस्पेंड

राजाराम,खजनी। खजनी के कुंवरजोतपुर गांव में शुक्रवार को हुए खूनी संघर्ष में पुलिस की कदम-कदम पर लापरवाही सामने आ रही है। पुलिस ने मुंशी यादव के खिलाफ कार्रवाई की होती या फिर समय से चौकी इंचार्ज गांव पहुंचे गए होते तो इतनी बड़ी वारदात सामने नहीं आती। फिलहाल गलती को दुरुस्त करते हुए एसएसपी ने हल्का दरोगा अजय कुमार यादव को सस्पेंड कर दिया है। अन्य की जांच शुरू करा दी है। खजनी के संग्रामपुर उनवल पुलिस चौकी कुंवरजोतपुर स्थित घटनास्थल से महज 100 मीटर की दूरी पर है। वहीं विवादित मकान से मुंशी यादव के मकान की दूरी 150 मीटर की दूरी पर है। गांव के लोगों ने बताया मुन्शी यादव के पास रहने के पर्याप्त मकान है उसके बाद बावजूद वह जानबूझकर विवादित मकान पर अपनी टांग अड़ाए था। इस घटना के लिए पूरा गांव पुलिस और प्रशासन को ही जिम्मेदार ठहरा रहा है। लोगों का कहना है कि अगर पुलिस ने सही कार्यवाही की होती तो यह तीनों जाने नहीं जाती।

हद है! सब मान रहे थे मुंशी गलत है पर कार्रवाई किसी से नहीं की

राजाराम यादव,खजनी। गोरखपुर जनपद के खजनी के कुंवरजोत गांव में तीन लोगों की हत्या ने थाना और तसहील दिवस के औचित्य पर ही सवाल खड़ा कर दिया। सवाल यह है कि जब सब कुछ सही होते हुए भी इन दोनों जगहों से पीड़ित को न्याय न मिल पाए तो फिर इसका मतलब ही क्या? थाना दिवस में तहसीलदार ने कहा मुंशी है गलत, ताला खुलवाए पुलिस 15को थाना और 18 दिसम्बर को तहसील दिवस में आया था दोनों पक्ष दुर्गा सिंह के दो भाइयों का मकान और जमीन नौ लाख रुपये में खरीदने की बात कहते हुए मुंशी यादव ने जमीन के साथ मकान पर भी अपना ताला लगा लिया था।

भारत की वेदांगी कुलकर्णी ने 5 महीने में साइकिल से लगा दिया पूरी दुनिया का चक्कर

मुंबई एजेंसी। पुणे की 20 साल की वेदांगी कुलकर्णी साइकिल से दुनिया का चक्कर लगाने वाली सबसे तेज एशियाई बन गई हैं। वेदांगी ने रविवार को कोलकाता में तड़के साइकिल चलाकर इसके लिए जरूरी 29,000 किलोमीटर की मानक दूरी को तय किया। उन्होंने इस सफर की शुरूआत जुलाई में पर्थ से की थी और इस रिकॉर्ड को पूरा करने के लिए वह ऑस्ट्रेलिया के इस शहर में वापस जाएंगी। वेदांगी ने पीटीआई से फोन पर बातचीत में बताया कि उन्होंने 14 देशों का सफर किया और 159 दिनों तक रोजाना लगभग 300 किलोमीटर साइकिल चलाती थीं। इस दौरान उन्हें कुछ अच्छे और बुरे अनुभव हुए। उनके पिता विवेक कुलकर्णी ने बताया दुनिया में कुछ ही लोगों ने इस मुश्किल चुनौती को पूरा किया है और उनकी बेटी दुनिया का चक्कर लगाने के मामले में सबसे तेज एशियाई हैं।

ब्रिटेन की जेनी ग्राहम (38) के नाम महिलाओं के बीच सबसे कम दिनों में साइकिल से चक्कर लगाने का रिकॉर्ड है।

वेदांगी को करना पड़ा कई बड़े खतरों का सामना

जेनी ग्राहम ने इसके लिए 124 दिन का समय लिया था। यह रिकॉर्ड पिछले रिकॉर्ड से तीन सप्ताह कम था। इस अभियान को पूरा करने के दौरान वेदांगी को कई चुनौतियों को सामना करना पड़ा। कनाडा में एक भालू उनका पीछे करने लगा था। रूस में बर्फ से घिरी जगहों पर उन्होंने कई रात अकेले गुजारी तो वहीं स्पेन में चाकू की नोक पर उनसे लूटपाट हुई।

ब्रिटेन के बॉउर्नेमाउथ विश्व विद्यालय की खेल प्रबंध की इस छात्रा ने बताया कि उन्होंने इसके लिए दो साल पहले ही तैयारी शुरू कर दी थी। उन्होंने साइकिल पर लगभग 80 प्रतिशत यात्रा को अकेले पूरा किया। यात्रा के दौरान उन्होंने न्यूनतम 0 से 20 डिग्री तक और अधिकतम 37 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान को झेला। इस दौरान वह ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, कनाडा, आइसलैंड, पुर्तगाल, स्पेन, फ्रांस, बेल्जियम, जर्मनी, डेनमार्क, स्वीडन, फिनलैंड और रूस से होकर गुजरीं।

लव, सेक्स और मर्डर:जेल जाने की बारी आई तो बीमार पड़ गए डॉ. डीपी सिंह

गोरखपुर। प्रेमिका राखी श्रीवास्तव की हत्या के आरोपी डॉक्टर डीपी सिंह को जब जेल जाने की नौबत आई तब वह बीमार पड़ गए। जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने डॉ. डीपी सिंह को भर्ती कर लिया। सीने में दर्द हाई ब्लडप्रेशर की शिकायत बताते हुए उनकी इलाज को बेहद जरूरी बताया। उधर, तीन आरोपियों की जगह दो को कोर्ट में पेश करने के साथ डॉक्टर के भर्ती होने की विवेचक ने कोर्ट को जानकारी दी। जज ने कड़ा रुख अख्तियार करते हुए कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया। उसके बाद नाटकीय घटना क्रम के बाद पुन डा. डीजी सिंह जेल पहुंचे।

लव, सेक्स और मर्डर

जज के कड़े रुख के बाद पेश किया गया कोर्ट में साथियों के साथ गए जेल

बीमारी पर जज ने लिखा जेल अधीक्षक नियमानुसार करें कार्रवाई 2.15 बजे से 6 बजे तक डॉक्टर को भर्ती करने का चलता रहा ड्रामा

विवेचक ने कोर्ट में आवेदन दिया कि डा. डीपी सिंह, प्रमोद सिंह और देश दीपक को राखी की हत्या के आरोप में गिरफ्तारी किया गया है। जिसमें प्रमोद सिंह और देश दीपक अदालत के सामने उपस्थित हैं।

आप का यू-टर्न कहा, राजीव गांधी का भारत रतन सज़्मान वापस लेने की मांग संशोधित प्रस्ताव का हिस्सा थी

विस से पारित प्रस्ताव में राजीव का जिक्र नहीं : सिसोदिया

नई दिल्ली एजेंसी। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने 1984 के सिख विरोधी दंगा मामले में दिल्ली विधानसभा से पारित प्रस्ताव में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का ''भारत रत्न' सम्मान वापस लेने की मांग का जिक्र नहीं होने का उल्लेख किया। उन्होंने शनिवार को कहा कि यह मांग संशोधित प्रस्ताव का हिस्सा थी, जिसे सदन से पारित नहीं किया गया। सिसोदिया ने इस भ्रम के कारण उपजे विवाद से नाराज पार्टी विधायक अलका लांबा से इस्तीफा मांगे जाने से भी इनकार किया। उन्होंने कहा कि न तो अलका लांबा से इस्तीफा मांगा गया है ना ही कोई इस्तीफा हुआ है। उल्लेखनीय है कि लांबा ने शुक्रवार को इस मामले में अपनी नाराजगी जताते हुए कहा था कि आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उनसे विधायक पद से इस्तीफा देने को कहा है। पार्टी प्रमुख के फैसले को स्वीकार कर वह इस्तीफा दे देंगी। सिसोदिया ने संवाददाताओं को बताया कि 1984 के सिख विरोधी दंगा पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए विधानसभा में पिछले दो दिनों से चल रही चर्चा के दौरान पारित एक प्रस्ताव को लेकर यह विवाद पैदा हुआ था। उन्होंने स्पष्ट किया कि सदन से पारित मूल प्रस्ताव में भारत रत्न सम्मान वापस लेने की बात शामिल नहीं थी। प्रस्ताव पारित किये जाने के समय सदन में मौजूद रहे आप के प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने बताया कि पार्टी विधायक जरनैलसिह को दंगा पीड़ितों को न्याय दिलाने संबंधी प्रस्ताव पेश करना था। इसी समय आप विधायक सोमनाथ भारती ने विधायकों को वितरित की गयी प्रस्ताव की प्रति पर राजीव गांधी का भारत रत्न सम्मान वापस लेने की मांग पेन से लिख कर उक्त प्रति जरनैलसिंह को सदन पटल पर पेश करने के लिए दे दी। भारद्वाज ने कहा मूल प्रस्ताव ही सदन से पारित हुआ जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री से जुड़ी मांग का जिक्र नहीं था। उन्होंने माना कि भारत रत्न लौटाने की मांग को संशोधित प्रस्ताव का हिस्सा माना जा सकता है, जो कि पारित नहीं किया गया। राजीव गांधी से भारत रत्न सम्मान वापस लेने की मांग से इत्तेफाक रखने के सवाल पर सिसोदिया ने कहा कि हमारा ऐसा कोई विचार नहीं है कि राजीव गांधी से भारत रत्न सम्मान वापस लिया जाए। इसके दूर होते ही विवाद भी खत्म हो गया है।

सिसोदिया ने लांबा से इस्तीफा मांगे जाने और उनके इस्तीफे की पेशकश की अटकलों को भी खारिज कर दिया। उल्लेखनीय है कि अलका लांबा ने कहा था कि राजीव गांधी ने देश के लिए कुर्बानी दी थी। इसे भुलाया नहीं जा सकता है।

संपादकीय

आज राष्ट्रीय गणित दिवस है। यानी गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती। रामानुजन का गणित के प्रति जुझारूपन और दुनिया में उनके सूत्रों की उपयोगिता को तब भारत नहीं समझ पाया था, जब वे जीवित थे। रामानुजन ने अपने जीवन में गणित को लेकर जो अथक जज्बा दिखाया, उसे आज युवाओं तक पहुंचाने की जरूरत है, ताकि उन्हें परेशान न होना पड़े। यही रामानुजन के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

गणित को प्रोत्साहन की जरूरत

आज पूरी दुनिया में जब भी गणित की या फिर गणित में योगदान की बात की जाती है तो श्रीनिवास रामानुजन का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। विश्व स्तर पर गणित के क्षेत्र में उनका योगदान अनुकरणीय है। गरीबी, सीमित संसाधनों और सरकारी लालफीताशाही के बावजूद उन्होंने अपनी विलक्षण प्रतिभा से दुनिया को चमत्कृत कर दिया था। साथ ही गणित के क्षेत्र में उनके काम देश के युवाओं के लिए सदा प्रेरणा के रूप में मौजूद रहेगा। प्राचीन समय से भारत गणितज्ञों की सरजमीं रहा है। भारत में आर्यभट्ट, भास्कर, भास्कर-द्वितीय और माधव सहित दुनिया के कई मशहूर गणितज्ञ पैदा हुए। 19वीं शताब्दी और उसके बाद में श्रीनिवास रामानुजन, चंद्रशेखर सुब्रमण्यम और हरीश चंद्र जैसे गणितज्ञ विश्व पटल पर उभरकर सामने आए। भारत की धरती पर जन्म लेने वाले आर्यभट्ट ने ही दुनिया को दशमलव का महत्व समझाया पर मौजूदा समय में विश्व में गणित के मामलों में भारत ही काफी निचले पायदान पर पहुंच गया है।

श्रीनिवास रामानुजन के जीवन चरित्र से हमारी शिक्षा व्यवस्था का खोखलापन भी उजागर होता है। 13 वर्ष की अल्पायु में रामानुजन ने अपनी गणितीय विश्लेण की असाधारण प्रतिभा से अपने संपर्क के लोगों को चमत्कृत कर दिया, मगर भारतीय शिक्षा व्यवस्था ने उन्हें असफल घोषित कर बाहर का रास्ता दिखा दिया था। वास्तव में शिक्षा व्यवस्था में विलक्षण बालकों के लिए कोई स्थान नहीं है। रामानुजन की पारिवारिक पृष्ठभूमि गणित की नहीं थी। परिवार में कोई उनका मददगार भी नहीं था ऐसे में अपनी क्षमता को दुनिया के सामने लाने के लिए रामानुजन को अत्यधिक परिश्रम करना पड़ा था। गणित के क्षेत्र में एक सितारे की तरह चमकने वाले श्रीनिवास रामानुजन का जन्म 22 दिसंबर-1887 को तमिलनाडु के इरोड में हुआ था वह पारंपरिक ब्राह्मण परिवार में जन्मे थे। उनके परिवार का गणित विषय से दूर-दूर तक का कोई नाता नहीं था। 1897 में रामानुजन ने प्राथमिक परीक्षा में जिले में अव्वल स्थान हासिल किया। इसके बाद अपर प्राइमरी की परीक्षा में अंकगणित में सर्वोच्च अंक प्राप्त कर अपने अध्यापकों को चौंका दिया।

वर्ष 1903 में रामानुजन ने दसवीं की परीक्षा पास की, इसी साल उन्होंने घन (क्यूब) और चतुर्घात समीकरण (बायक्वाडरेटिक इक्वेशन) हल करने का सूत्र खोज निकाला। वह अपना समय का उपयोग गणित के जटिल प्रश्नों को हल करने में व्यतीत करते थे। समय के साथ-साथ रामानुजन का गणित के प्रति रुझान बढ़ता ही गया। फलस्वरूप 12वीं की परीक्षा में गणित को छोड़कर वह अन्य सभी विषयों में फेल हो गए। दिसंबर-1906 में रामानुजन ने स्वतंत्र परीक्षार्थी के रूप में 12वीं की परीक्षा पास करने की कोशिश की, लेकिन वे कामयाब न हो सके। इसके बाद रामानुजन ने पढ़ाई छोड़ दी और बिना डिग्री लिए ही रामानुजन को औपचारिक अध्ययन छोड़ना पड़ा। अपने अध्ययन के बल पर रामानुजन कभी भी डिग्री प्राप्त नहीं कर सके। लेकिन उनके कार्यों और योग्यता को देखते हुए ब्रिटेन ने उन्हें पहले बीए की मानद उपाधि दी और बाद में उन्हें पीएचडी की भी उपाधि दी। यहां पर एक सवाल उठता है कि क्या यह भारत में संभव था या है क्योंकि हमारी शिक्षा व्यवस्था ने तो रामानुजन को हर तरह से नकार ही दिया था। वो तो सिर्फ अपनी विलक्षण प्रतिभा और प्रो हार्डी जैसे मित्रों की वजह से ही विश्व पटल पर आ पाएं।

1911 में रामानुजन का सम प्रोपर्टीज ऑफ बारनालीज नंबर्स शीर्षक से प्रथम शोध पत्र जनरल ऑफ मैथमेटिक्स सोसायटी में प्रकाशित हुआ। मद्रास के इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रोफेसर रहे सीएलओ ग्रिफिक्स ने रामानुजन के शोध पत्र गणित विद्वानों को भिजवाए। प्रो. ग्रिफिक्स की सलाह पर रामानुजन ने वर्ष 1913 में तत्कालीन विख्यात गणितज्ञ एवं ट्रिनिटी कॉलेज के फैलो प्रोफेसर हार्डी को पत्र लिखा, जिसमें 120 प्रमेय और सूत्र शामिल थे। प्रोफेसर हार्डी इस पत्र से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने रामानुजन को कैंब्रिज आने का न्योता दे डाला। मार्च 1914 को जब रामानुजन लंदन पहुंचे तो प्रोफेसर नाबिला ने उनका स्वागत किया। जल्द ही उन्हें ट्रिनिटी कॉलेज में प्रवेश मिल गया। यहां वे एक प्रोफेसर लिटिलवुड के साथ मिलकर शोध कार्य में लग गए। रामानुजन ने इंग्लैंड में रहकर बहुत थोड़े ही समय में अपनी धाक जमा दी। उन्होंने प्रो हार्डी के निर्देशन में अध्ययन करते हुए गणित संबंधी अनेक स्थापनाएं दीं, जो 1914 से 1916 के मध्य विभिन्न शोधपत्रों में प्रकाशित हुईं। उनके इन शोधकार्यों से सारे संसार में हलचल मच गई। उनकी योग्यता को दृष्टिगत रखते हुए 28 फरवरी 1918 को रॉयल सोसायटी ने उन्हें अपना सदस्य बना कर सम्मानित किया।

कुछ ही समय बाद ट्रिनिटी कॉलेज ने भी उन्हें अपना फैलो चुनकर सम्मानित किया। हाईली कम्पोजिट नंबर शीर्षक के अनुसंधान कार्य के आधार पर 1916 में रामानुजन को बीए की उपाधि दी गई। प्रोफेसर हार्डी की यह सदाशयता ने रामानुजन के जीवन की एक बड़ी कमी को दूर कर दिया। यह उपाधि वह चाबी थी, जिसने आगे की सफलता के सभी द्वार खोल दिए थे। बाद में उसी उपाधि को पीएचडी में बदल दिया गया था। श्रीनिवास रामानुजन के शोध प्रबंध का सार जनरल ऑफ लंदन मेथेमेटीकल सोसाइटी में 50 पृष्ठ के विस्तार से छपा था। प्रोफेसर हार्डी के अनुसार तब तक किसी अन्य का ऐसा विद्वतापूर्ण पत्र उस जनरल में नहीं छपा था। एक तो रामानुजन का दुबला-पतला शरीर, दूसरे लंदन का बेहद ठंडा मौसम, उस पर खानपान की उचित व्यवस्था का अभाव। ऐसे में रामानुजन को क्षय रोग ने घेर लिया। उस समय तक क्षय रोग का कारगर इलाज उपलब्ध नहीं था। सिर्फ आराम और समुचित डॉक्टरी देखरेख ही उन्हें बचा सकती थी। लेकिन रामानुजन की गणित की दीवानगी ने उन्हें चैन से नहीं बैठने दिया। इससे उनकी तबियत बिगड़ती गई और अंततः 27 फरवरी 1919 को उन्हें भारत लौटना पड़ा। तब तक उनका स्वास्थ्य बहुत बिगड़ चुका था। डॉक्टरों ने उन्हें पूर्ण आराम की सलाह दी, लेकिन रामानुजन भला गणित को छोड़ कर कैसे रह पाते? नतीजतन उनकी बीमारी बढ़ती गई और 26 अप्रैल 1920 को कावेरी नदी के तट पर स्थित कोडुमंडी गांव में 33 वर्ष की अल्पायु में उनका निधन हो गया।

रामानुजन 1903 से 1914 के बीच, कैंब्रिज जाने से पहले, गणित की 3542 प्रमेय लिख चुके थे। उनकी इन तमाम नोटबुकों को बाद में 'टाटा इंस्टीट्यूट आफ फंडामेंटल रिसर्च बाम्बे' ने प्रकाशित किया। इन नोट्स पर इलिनॉय विश्वविद्यालय के गणितज्ञ प्रो ब्रूस सी. बर्नाड्ट ने 20 वर्षों तक शोध किया व शोध पत्र को पांच खंडों में प्रकाशित कराया। रामानुजन की गणितीय प्रतिभा का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उनके निधन के लगभग 93 वर्ष व्यतीत होने जाने के बाद भी उनकी बहुत सी प्रमेय अनसुलझी हैं। उनकी इस विलक्षण प्रतिभा के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए सरकार ने प्रत्येक वर्ष उनका जन्म दिवस 22 दिसंबर को 'राष्ट्रीय गणित दिवस' के रूप में मनाने का फैसला किया है। हमारा देश बहुत बड़ा है और इसकी तुलना में यहां विश्वस्तरीय गणितज्ञों की काफी कमी है। देश में छात्र उच्चस्तरीय गणित के अध्ययन में बहुत कम ही रुचि दिखाते हैं, फलस्वरूप यहां गणित का गुणवत्तापूर्ण और समुचित विकास नहीं हो पा रहा है जबकि आज देश को बड़ी संख्या में गणितज्ञों की जरूरत है। इसके लिए हमें सभी विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक और मूल्यांकन पद्धति में सुधार लाना होगा, प्रतिभाशाली छात्रों को प्रोत्साहित करना होगा, उन्हें संसाधन उपलब्ध कराने होंगे ताकि उन्हें रामानुजन की तरह कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

शशांक द्विवेदी
(वरिष्ठ पत्रकार)

बाजार की चाल से रहें सतर्क

शेयर बाजार में कारोबारी हफ्ते के आखिरी दिन भारी गिरावट दिखी है। सेंसेक्स में 600 अंकों से ज्यादा एवं निफ्टी में 190 अंकों से ज्यादा की गिरावट देखी गई। बाजार का मूड अभी कोई नहीं भांप पा रहा है। अतः निवेशक संभलकर अपना पैसा बाजार में लगाएं।

शेयर बाजार में कारोबारी हफ्ते के आखिरी दिन भारी गिरावट दिखी है। सेंसेक्स में 600 अंकों से ज्यादा की गिरावट हुई, जबकि निफ्टी में भी 190 अंकों से ज्यादा की गिरावट देखी गई। इससे पहले कारोबार की शुरुआत लाल निशान में हुई। सेंसेक्स करीब 50 अंकों की गिरावट के साथ तो निफ्टी 10.950 के नीचे खुला। दोपहर 2 बजकर 37 मिनट पर सेंसेक्स 625.58 अंकों की गिरावट के साथ 35 हजार 806 पर और निफ्टी 193.35 अंकों की गिरावट के साथ 10 हजार 758 पर कारोबार करने लगा। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते तनाव और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा मैक्सिको पर सुरक्षा दीवार के लिए कोष मांगे जाने पर तकरार के चलते अमेरिका में संघीय सरकार का कामकाज बंद होने से एशियाई और घरेलू बाजार में गिरावट दर्ज की गई है। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन में शेयर बाजार ने अचानक जो गुलाटियां खाई हैं उसके असर से उबरने में काफी सारे लोगों को काफी वक्त लगेगा, क्योंकि विशेषज्ञ मानकर चल रहे हैं कि बाजार का मूड अगले साल लोकसभा चुनाव तक स्थिर नहीं रहेगा। तब तक या तो बाजार यकायक बड़ा झटका देगा या फिर राहत।

विशेषज्ञ सलाह दे रहे हैं कि बाजार में पिछले कुछ महीनों से जारी उतार-चढ़ाव आगामी आम चुनाव तक बरकरार रहने की उम्मीद है। वहीं 2019 में निफ्टी का आउटलुक भी इस बात पर निर्भर करता है कि आगामी सरकार पूर्ण बहुमत वाली बनती है या गठबंधन की। ऐसे में निवेशकों को सलाह है कि वे सस्ते मिल रहे मिड-कैप और स्मॉल कैप की बजाय बड़ी कंपनियों के स्टॉक्स की तरफ ही रुख करें, क्योंकि ऐसे समय में कोई नहीं जानता कि करेक्शन के वक्त मिड-स्मॉल कैप की गिरावट का निचला स्तर का क्या होगा। हालांकि, सरकार निवेशकों को भरोसा दिला रही है कि उनका पैसा पूरी तरह सुरक्षित है, लेकिन अब तक उन उपायों को सामने नहीं लाया गया है, जो सरकार के भरोसे पर मुहर लगा सकें और निवेशकों को नए सिरे से कारोबार करने के प्रति उत्साहित कर सकें। कारोबारी सत्र के आखिरी दिन गिरावट के बाद सोमवार पर सभी की नजर रहती है। अगर तब बाजार गिरावट के साथ खुलते हैं, तो माना जा सकता है कि निवेशकों को भरोसा बाजार को बेजार किए रहेगा।

हालांकि, ऐसा नहीं है कि ऐसी गिरावट पहले कभी नहीं देखी गई। अतीत में भारतीय शेयर बाजार कई बार इससे ज्यादा गिर चुके हैं। लेकिन तब समय-समय पर झटकों से उबर कर निवेशकों को फायदा भी कराते रहे। चूंकि अभी का माहौल आर्थिक से कहीं ज्यादा राजनीतिक परिदृश्य में उठापटक वाला बना है। पांच राज्यों में भाजपा के खराब प्रदर्शन के बाद अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव तक बाजार किस करवट बैठेगा, यह अबूझ पहेली है। इसीलिए विशेषज्ञ सलाह दे रहे हैं कि 2019 चुनाव तक संभल कर निवेश करने में भलाई है ताकि उनकी जमा पूंजी डूबने से बच जाए।

श्रमशक्ति की बिगड़ती सेहत

आज के दौर की डिजिटल जीवनशैली में रोज नई तरह की कार्य संस्कृति विस्तार पा रही है। ऑनलाइन कामकाज की इस नई कार्य संस्कृति ने देश में कामकाजी समूह के काम के घंटे इतने बढ़ा दिए हैं कि घर और दफ्तर का फर्क ही मिट गया है। अब केवल दफ्तर में मौजूदगी ही कामकाज में व्यस्त नहीं रखती है, बल्कि हर वक्त ऑनलाइन रहने के चलते लगभग पूरे ही समय व्यस्तता बनी रहती है। अधिकतर कर्मचारी दफ्तर से निकलने के बाद भी ईमेल, फोन और काम से जुड़े संदेशों का ही जवाब देते रहते हैं। विचारणीय है कि स्मार्ट गैजेट्स ने हर समय उपलब्ध रहने की जो स्थितियां बनाई हैं, उनमें बड़ी संख्या में लोग अवसाद का शिकार बन रहे हैं। देश की श्रमशक्ति की सेहत बिगड़ रही है। रिश्तों में दूरियां आ रही हैं। साथ और संबल की वो डोर कमजोर हो रही है जो अपनों के साथ समय बिताने से ही मजबूती पाती थी।

कुल मिलाकर आज के दौर का ऑनलाइन वर्क कल्चर इंसान को मशीन तक बनाने का काम कर रहा है। चिंतनीय है कि कामकाज और व्यक्तिगत जीवन में संतुलन नहीं बन पाने के खामियाजे पारिवारिक, सामाजिक और व्यक्तिगत सभी मोर्चों पर देखने को मिल रहे हैं। दरअसल, कामकाज व व्यक्तिगत जिंदगी, इन दोनों मोर्चों पर एक सही संतुलन बेहद जरूरी है। वरना अंसतोष और अपराधबोध जैसे मनोभाव खिन्नता का स्वभाव बना देते हैं। हरदम अपने काम में उलझे रहना, दफ्तर की गतिविधियों से दिन-रात अपडेट रहना या साथी कर्मचारियों को अपडेट देते और लेते रहना तथा कार्पोरेट जगत के कर्मचारियों में कई व्यवहारगत समस्याएं ला रहा है। ऑनलाइन रहने के चलते बढ़ा काम का अतिरिक्त बोझ उन्हें तनाव की तरफ ढकेल रहा है। नींद की कमी, आक्रामक व्यवहार और सहज अपनेपन की कमी अब आम बात हो गई है।

एसोचैम हेल्थकेयर समिति की एक रिपोर्ट के मुताबिक कॉरपोरेट जगत में काम का चिंता और कर्मचारियों को दिए गए लक्ष्य इतने ऊंचे रहते हैं कि करीब 56 फीसदी कर्मचारी छह घंटे से भी कम नींद लेते हैं। रिपोर्ट के अनुसार भारत में श्रमशक्ति का करीब 46 फीसदी हिस्सा तनाव से जूझ रहा है। कहना गलत नहीं होगा कि इस तनाव का कारण काम-काज का दबाव तो है ही, हरदम कामकाज को साथ लिए चलना भी है। मन-मस्तिष्क पर यह दबाव घर-दफ्तर में ही नहीं यात्रा करते हुए या फिर किसी सामाजिक समारोह में शिरकत करते हुए भी देखा जा सकता है। नतीजतन शरीर ही नहीं दिमाग से जुड़ी व्याधियां भी कामकाजी समूह को घेरने लगी हैं। एसोचैम हेल्थकेयर समिति की रिपोर्ट कहती है

कामकाज व व्यक्तिगत जिंदगी, इन दोनों मोर्चों पर एक सही संतुलन बेहद जरूरी है। वरना अंसतोष और अपराधबोध जैसे मनोभाव खिन्नता का स्वभाव बना देते हैं। हरदम अपने काम में उलझे रहना, दफ्तर की गतिविधियों से दिन-रात अपडेट रहना या साथी कर्मचारियों को अपडेट देते और लेते रहना तथा कार्पोरेट जगत के कर्मचारियों में कई व्यवहारगत समस्याएं ला रहा है। ऑनलाइन रहने के चलते बढ़ा काम का अतिरिक्त बोझ उन्हें तनाव की तरफ ढकेल रहा है।

काम का तनाव है कि कर्मचारियों में मधुमेह, उच्च रक्तचाप , मोटापा और अवसाद जैसी परेशानियां बढ़ रही हैं। इतना ही नहीं इस ऑनलाइन कार्यशैली के कारण लोग अब अपने सामाजिक-पारिवारिक परिवेश से भी कट रहे हैं। आपसी संवाद की कमी के चलते अकेलेपन और आक्रामकता का व्यवहार भी अब देश की श्रमशक्ति के बड़े वर्ग को घेर रहा है। इस अध्ययन के अनुसार 16 फीसदी लोग मोटापे से ग्रस्त 11 फीसदी लोग अवसाद ग्रस्त हैं। निःसंदेह अब स्वास्थ्य से जुड़े जोखिम हर पहलू पर देखने को मिल रहे हैं।

आमतौर पर यह माना जाता है कि स्मार्ट गैजेट्स के जरिए हर वक्त कामकाज के मोर्चे पर जुटे रहने वाले कर्मचारियों की उत्पादकता ज्यादा होती है, लेकिन सच यह है कि ऐसी व्यस्तता कामकाजी लोगों की उत्पादकता घटा रही है। दफ्तर के तनाव और काम के बोझ का असर ऐसी जीवनशैली बना रहा है जो अंततः उत्पादकता को कम करती है। वहीं मनोवैज्ञानिक तनाव के कारण कार्यस्थल पर प्रदर्शन में गिरावट आती है। हमारे यहां महानगरों में बसे कामकाजी समूह के लिए तो यह समस्या वाकई चिंतनीय है। तन की थकावट और मन की भावनात्मक टूटन के रूप में कामकाज के बढ़ते दबाव का नतीजा साफ देखा जा सकता है7 काम के तय डेडलाइंस और ऊंचे लक्ष्य से जूझ रहे कर्मचारियों का व्यक्तिगत जीवन इस हद तक प्रभावित हो रहा है कि मानसिक और मनोवैज्ञानिक उलझनें अपनी जड़ें जमा रही हैं, जिसके चलते नागरिकों का स्वास्थ्य तो बिगड़ ही रहा है, समग्र रूप से ये सभी बातें देश के कामकाजी समूह की जीवनशैली में चिंतनीय बदलाव भी ला रही हैं। कई शोध यह बताते हैं कि शराब और सिगरेट की बढ़ती आदत के पीछे भी काम-काज का बढ़ता दबाव एक अहम् वजह है। वाणिज्य एवं उद्योग संगठन, के ही एक अध्ययन में यह दावा किया गया है कि कारपोरेट जगत के 29 प्रतिशत कर्मचारी धूम्रपान, शराब पीने तथा जंक फूड खाने जैसी गतिविधियों के चलते आगे चलकर गंभीर बीमारियों का शिकार बन जाते हैं।

वहीं काम का दबाव अधिक रहने से कर्मचारियों की दिनचर्या भी बिगड़ जाती है, जिसके कारण खानपान की आदतें ही नहीं बिगड़तीं बल्कि सोने और व्यायाम करने का समय भी कम हो रहा है। चिंतनीय यह भी कॉरपोरेट क्षेत्र में कार्यरत ऐसे कर्मचारियों में बड़ी संख्या युवा आबादी की है जो कम उम्र में असंतुलित दिनचर्या और कामकाज के तनाव के कारण बीमारियों की जद में आ रहे हैं। हालिया बरसों में भारत की श्रमशक्ति में महिलाओं की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। महिलाओं के कामकाजी समूह पर दफ्तर के साथ ही घर की जिम्मेदारियों के निर्वहन का भी दबाव रहता है। यही वजह है कि तनाव और अवसाद जैसी समस्याएं आधी आबादी के कामकाजी वर्ग को भी घेर रही हैं। एसोचैम के सर्वे के अनुसार 78 फीसदी कामकाजी महिलाएं जीवनशैली से जुड़े किसी न किसी विकार की शिकार पाई जा रही हैं। इतना ही नहीं कार्यस्थल पर सम्मानजनक व्यवहार व सुरक्षा जैसी चिंताएं भी उनके काम-काज से जुड़े दबाव व चिंताओं को बढ़ाती हैं। ऑनलाइन वर्क कल्चर ने कामकाजी महिलाओं की व्यस्तता को और बढ़ा दिया है। भारत में कामकाजी समूह पर लक्ष्यों को हासिल करने का तनाव और खुद को साबित करने का दबाव इतना ज्यादा बढ़ गया है कि वे छुट्टियां भी कम ही लेने लगते हैं।

एक्सपीडिया वैकेशन डेप्रीवेशन के 19 देशों में किए गए एक अध्ययन के मुताबिक, भारतीय नागरिक अपने काम से अवकाश लेने में बहुत पीछे हैं। एक्सपीडिया की साल 2018 की इस रिपोर्ट के अनुसार भारत में 75 प्रतिशत लोग अवकाश की कमी का सामना कर रहे हैं। इस अध्ययन में 35 फीसदी भारतीयों ने कार्यस्थल पर काम का दबाव और सहकर्मियों की कमी को कम छुट्टियां लेने की वजह बताया है। साथ ही 25 फीसदी ने माना कि छुट्टियां न लेने की वजह है कि अपनी गैर मौजूदगी के चलते वे दफ्तर के महत्वपूर्ण निर्णयों में शामिल नहीं हो पाएंगे। बीत साल आए साइबर सिक्योरिटी फर्म मकैफी के एक सर्वे के अनुसार अवकाश के दिनों में भी भारतीय कम से कम एक घंटा अपने ईमेल देखने, लिखित संदेश पढ़ने और भेजने और सोशल मीडिया पर बिताते हैं। इसमें एक बड़ा वर्ग कामकाज से जुड़े अपडेट्स से ऑनलाइन जुड़ा रहता है। देखने में लगता है ज्यादातर कारपोरेट कार्यालयों में काम का समय निर्धारित है। देश की श्रमशक्ति के कामकाज के घंटे नियत हैं, पर स्मार्ट गैजेट्स के जरिए अब काम का समय ही नहीं बढ़ रहा बल्कि पूरी जीवनशैली प्रभावित हो रही है। चिंतनीय है कि यह डिजिटल व्यस्तता और काम का दबाव देश की श्रमशक्ति के स्वास्थ्य के बड़ा खतरा साबित हो रही है। सब कुछ जानते हुए भी हम आदतों को बदल नहीं पा रहे हैं।

डॉ. मोनिका शर्मा
(वरिष्ठ पत्रकार)

ट्विटर

शेयर बाजार में कोई हलचल नहीं है। सरकार का पूरा ध्यान बाजार पर है। किसी भी निवेशक के पैसे को डूबने नहीं दिया जाएगा। आज की गिरावट भी अस्थाई ही है।

एसपी शुक्ल, वित्त राज्यमंत्री

बाजार में गिरावट का सरकार की नीति से कितना ताल्लुक है, यह जानने में समय लगेगा। लेकिन तब तक निवेशकों को संभलकर चलना होगा, ताकि नुकसान न हो।

कमलेश राव, अर्थशास्त्री

सत्यार्थ

विलियम जोंस की लगन

बात आजादी से बहुत पहले की है। तब कलकत्ता उच्च न्यायालय में न्यायाधीश सर विलियम जोंस हुआ करते थे। इंग्लैंड से जब उनका भारत आना हुआ, तो उन्होंने संस्कृत भाषा सीखने की सोची। लेकिन दिक्कत यह थी कि उसका कोई भी पंडित समाज में अपनी बदनामी के डर से उन्हें पढ़ाने के लिए तैयार ही नहीं हो रहा था। जो मिल रहे थे, उनका ज्ञान संदिग्ध था। बहुत खोजने पर एक वैद्य जी पढ़ाने को तैयार तो हुए, लेकिन उन्होंने भी कई शर्तें लगा दीं। उन्होंने कहा- मैं कक्षा में बैठकर ही पढ़ाऊंगा और उसमें एक मेज एवं दो कुर्सियों के अलावा और कुछ भी नहीं होगा। कक्षा की सफाई सिर्फ हिंदू कर्मचारी ही करेगा और वह मेज कुर्सियों पर गंगाजल जरूर छिड़केगा। विलियम जोंस को मांस-मदिरा छोड़नी पड़ेगी। जोंस को पढ़ाने से पूर्व व पढ़ाने के पश्चात वैद्य जी कपड़े बदलेंगे और इसके लिए उनका अलग कक्ष होगा। मासिक दक्षिणा चांदी के सौ सिक्के रहेगी। उन्हें घर से लाने व वापस पहुंचाने के लिए पालकी की व्यवस्था करनी होगी। वैद्य जी ने यह सोचा था कि कठोर शर्तें सुनकर अंग्रेज पढ़ने का विचार त्याग देगा और बला टल जाएगी। पर जोंस संस्कृत सीखने का दृढ़ निश्चय कर चुके थे। सो, उन्होंने सारी शर्तें स्वीकार कर लीं। उनकी संस्कृत की पढ़ाई प्रारंभ हो गई। जोंस महोदय बड़े ही नम्र स्वभाव के सुशील छात्र थे। अपने व्यवहार, सेवा, परिश्रम और लगन से गुरु को प्रसन्न करके उनका दिल जीत ही लिया। वैद्य जी की पढ़ाई और अपने परिश्रम के बल पर धीरे-धीरे वे संस्कृत के प्रकांड विद्वान हो गए। उन्होंने संस्कृत में लिखे 'अभिज्ञान शाकुंतलम' नाटक का अंग्रेजी में अनुवाद किया। उन्होंने मिसाल कायम की कि लगनशील व्यक्ति के लिए कुछ भी सीखना असंभव नहीं होता।

राधा नावीज

सार समाचार

ट्रंप ने अधिकारियों से पूछा, क्या उन्हें फेडरल रिजर्व प्रमुख को हटाने का अधिकार है

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने कैबिनेट सदस्यों से निजी तौर पर पूछा है कि क्या उन्हें फेडरल रिजर्व (अमेरिका का केंद्रीय बैंक) के प्रमुख जेरोम पॉवेल को हटाने का कानूनी अधिकार है। ट्रंप ने यह बात ब्याज दरें बढ़ने और शेयर बाजारों में गिरावट के बाद पूछी है। सीएनएन और ब्लूमबर्ग ने इस मामले से जुड़े एक अनाम व्यक्ति के हवाले से शनिवार को कहा कि ट्रंप बुधवार को फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में इजाफा करने और अगले साल भी इजाफा जारी रहने के संकेत देने से नाराज थे।

गौरतलब है कि अमेरिका में डाउ जोंस में इस घटनाक्रम के बाद भारी गिरावट आई। यह डाउ जोंस के लिए पिछले दस साल का सबसे खराब प्रदर्शन वाला सप्ताह रहा। पॉवेल को राष्ट्रपति ट्रंप ने जेनेट येलेन की जगह फरवरी में चार साल के लिये फेडरल रिजर्व का प्रमुख नियुक्त किया था। इससे पहले अक्टूबर में ट्रंप ने कहा था कि उनकी पॉवेल को हटाने की कोई मंशा नहीं है, लेकिन नवबंर में ट्रंप कहा कि वह पॉवेल के कामकाज से जरा भी खुश नहीं हैं। अमेरिकी मीडिया के मुताबिक यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप को पॉवेल को हटाने का अधिकार है या नहीं।

इंडोनेशिया में सुनामी से 168 लोगों की मौत, 745 से ज्यादा घायल

जकार्ता। इंडोनेशिया में आई सुनामी से 168 लोगों की मौत और लगभग 745 लोगों के घायल होने की खबर है। देश की राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता स्तुपो पुर्वो ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग साढ़े नौ बजे दक्षिणी सुमात्रा और पश्चिमी जावा के पास समुद्र की ऊंची लहरें तटों को तोड़कर आगे बढ़ीं जिससे दर्जनों मकान नष्ट हो गए। सुनामी की वजह से 168 लोगों के मरने और लगभग 745 लोगों के घायल होने की खबर है। एजेंसी ने कहा कि क्राकातोआ ज्वालामुखी के फटने के बाद समुद्र के नीचे हुआ भूस्खलन सुनामी का संभावित कारण हो सकता है। इससे पहले सितंबर माह में सुलावेसी द्वीप स्थित पालू शहर में सुनामी की वजह से कम से कम 832 लोगों की मौत हो गई थी।

सोमालिया में राष्ट्रपति निवास के बाहर दोहरा आत्मघाती हमला, सात लोगों की मौत

मोगादिशू। राष्ट्रपति निवास के पास दोहरे आत्मघाती कार हमले में सात लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हुए। हमले की जिम्मेदारी अल-शबाब चरमपंथी संगठन ने ली है। स्थनीय पुलिस के प्रवक्ता इब्राहीम मोहम्मद ने कहा, ''हमने दो विस्फोटों में सात लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है और 10 से अधिक लोग घायल हुए हैं।'' उन्होंने कहा, ''सुरक्षा बल इलाके की घेरेबंदी कर जांच कर रहे हैं।'' पहला विस्फोट राष्ट्रपति निवास से 500 मीटर दूर राष्ट्रीय थिएटर के बाहर एक चौकी पर हुआ। दूसरा विस्फोट कुछ मिनट बाद पास ही में एक दोराहे पर हुआ। चश्मदीद अदिल हसन ने 'एएफपी' से कहा, ''दूसरा विस्फोट भीषण था।'' सोमालिया के लंदन स्थित 'यूनिवर्सल टीवी' चैनल ने कहा कि उनके स्टाफ के तीन लोगों की मौत हो गई थी। शबाब ने अपने एक बयान में कहा कि इस्लामी समूह के ﷺशहादत ऑपरेशनﷺ ने राष्ट्रपति निवास की रक्षा करने वाली सुरक्षा चौकी को निशाना बनाया। वर्ष 2011 में समूह को बड़े स्तर राजधानी से बाहर कर दिया गया था और उसने अपने अधिकतर गढ़ भी खो दिए थे।

तुर्की: बांध के रास्ते में आ रही थी 610 साल पुरानी मस्जिद, रोबोट के जरिए की गई शिफ्ट

इंस्ताबुल (एजेंसी)।

तुर्की के हसनकैफ में तुर्की के चौथे सबसे बड़े और शक्तिशाली बांध इलीसु का निर्माण कार्य चल रहा है. ऐसे में एक 610 साल पुरानी मस्जिद यहां बांध के रास्ते में आ रही थी, जिसके बाद मस्जिद को तीन भागों में बांट कर रोबोट ट्रांसपोर्ट के जरिए 2 किलोमीटर दूर स्थापित किया गया है. इसके लिए प्रशासन ने पहले श्रमिकों की मदद से सालों से सुरक्षित रखी गई इस धरोहर की दीवारों को तुड़वाया. फिर इसके निचले हिस्से को जमीन से अलग करवाया गया, जिसके बाद इसे रोबोट ट्रांसपोर्ट के जरिए दूसरी जगह शिफ्ट करा दिया गया.

हर्रियत डेली न्यूज की खबर के मुताबिक, तुर्की की इयुबी मस्जिद हसनकैफ में मौजूद थी. जहां तुर्की के चौथे सबसे बड़े बांध का काम चल रहा है. ऐसे में विशेषज्ञों ने इसे डूब क्षेत्र में करार दिया था. जिसके बाद मस्जिद को पानी से बचाने के लिए इसे दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया गया. बता दें इयुबी मस्जिद का कुल वजन 2500 टन था. वजन ज्यादा होने के कारण इसे पहले तीन भागों में बांटा गया और फिर न्यू कल्चर पार्क फील्ड में शिफ्ट किया गया.

वहीं हसनकैफ शहर के मेयर अब्दुलवहाप कुसैन ने बताया कि 'बांध के पानी से ऐतिहासिक इमारत खराब न हो इसके लिए इसे दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया गया.' बता दें हसनकैफ को तुर्की के संरक्षित शहर का दर्जा प्राप्त है, क्योंकि यहां छह हजार गुफाएं और बाइजेंटाइन युग का एक किला मौजूद है. वहीं इयुबी मस्जिद के स्थापित होने के बाद इसका महत्व और भी बढ़ जाता है. वहीं इतिहासकारों ने इसे नौ सभ्यताओं का साक्षी बताया है. बता दें हसनकैफ शहर का उल्लेख 2 हजार साल पुराने लेखों में भी मिलता है.

कनाडा ने चीन में अपने नागरिकों की रिहाई के लिए साथी देशों से मांगा सहयोग

मांट्रियल। कनाडा ने साथी देशों से चीन में हिरासत में लिए गए अपने नागरिकों की रिहाई के लिए सहयोग मांगा है और कहा कि ये गिरफ्तारियां पूरे विश्व समुदाय के लिए चिंता की बात हैं. कनाडा की विदेश मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने कहा कि चीन में पूर्व राजनयिक माइकल कोवरिग और सलाहकार माइकल स्पावोर को हिरासत में लिया जाना सिर्फ कनाडा का मुद्दा नहीं है. उन्होंने फोन पर बातचीत में पत्रकारों से कहा कि यह एक ऐसा विषय है जिससे हमारे सहयोगी चिंतित हैं और हम पूरी दुनिया में अपने सहयोगियों के साथ इस मुद्दे पर सक्रिय रूप से चर्चा कर रहे हैं. दोनों कनाडाई नागरिकों को चीन ने राष्ट्रीय सुरक्षा के सामने खतरा पैदा करने वाली गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में 10 दिसंबर को हिरासत में ले लिया था.

हालांकि ऐसा माना जा रहा है कि चीन ने यह कदम इसी महीने अपनी नागरिक और हुआवे कंपनी की मुख्य वित्तीय अधिकारी मेंग वांगझू की कनाडा में गिरफ्तारी के बदले में उठाया है, जिन्हें बाद में रिहा कर दिया गया था. हालांकि आधिकारिक तौर पर अभी तक इन दोनों घटनाओं के आपस में जुड़े होने की कोई बात सामने नहीं आई है. क्रिस्टिया ने कहा कि चीन के राजदूत और अधिकारियों से हुई मेरी बातचीत में चीनी अधिकारियों ने इन दोनों घटनाओं के आपस में जुड़े होने की बात से इनकार किया है. क्रिस्टिया ने कहा कि यह स्पष्ट रूप से चीन के साथ हमारे रिश्तों का मुश्किल क्षण है.

नसीरुद्दीन के बयान पर पाकिस्तान खुश, इमरान खान ने मोदी पर कसा तंज

लाहौर (एजेंसी)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने शनिवार को कहा कि वह नरेंद्र मोदी सरकार को ''दिखाएंगे'' कि ''अल्पसंख्यकों से कैसे व्यवहार करते हैं?'' पाकिस्तानी प्रधानमंत्री खान का यह बयान बॉलीवुड अभिनेता नसीरुद्दीन शाह की भारत में भीड़ द्वारा की जाने हिंसा को लेकर टिप्पणी को लेकर जारी विवाद के बीच आया है। नसीरुद्दीन शाह भारत में भीड़ द्वारा पीट पीटकर मार डालने के मामलों को लेकर अपनी टिप्पणी के कारण विवादों में आ गए हैं।

खान ने पंजाब सरकार की 100 दिन की उपलब्धियों को रेखांकित करने के लिए लाहौर में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते

हुए इस बात पर जोर दिया कि उनकी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रही है कि पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों को उनके उचित अधिकार मिले। उन्होंने कहा कि यह देश के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना का भी दृष्टिकोण था।खान ने कहा कि उनकी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि अल्पसंख्यक सुरक्षित, संरक्षित महसूस करें और उन्हें 'नये पाकिस्तान' में समान अधिकार हों।

उन्होंने शाह के बयान की ओर इशारा करते हुए कहा, ''हम मोदी सरकार को दिखाएंगे कि अल्पसंख्यकों के साथ कैसे व्यवहार करते हैं...भारत में लोग कह रहे हैं कि अल्पसंख्यकों के साथ समान नागरिकों की तरह व्यवहार नहीं हो रहा है।'' पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने कहा कि यदि कमजोर को न्याय नहीं दिया गया तो इससे विद्रोह ही उत्पन्न होगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, ''पूर्वी पाकिस्तान के लोगों को उनके अधिकार नहीं दिये गए जो कि बांग्लादेश निर्माण के पीछे मुख्य कारण था।'

दोषमुक्त होने के बावजूद आसिया बीबी हिरासत में क्रिसमस मनाने को मजबूर

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान में ईशनिन्दा के आरोप में 2010 से ही जेल में बंद ईसाई महिला आशिया बीबी शीर्ष अदालत द्वारा दोषमुक्त करार दिए जाने के बावजूद क्रिसमस हिरासत में ही मनाने को मजबूर है.

आठ साल से जेल में बंद आसिया को अभी भी रूढ़िवादी मुस्लिम बहुल पाकिस्तान में लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ रहा है. कट्टरपंथी लोग लगातार उसे मौत की सजा देने की मांग करते रहे हैं. पाकिस्तान सरकार उसकी जान पर खतरे को देखते हुए उसके ठिकाने का खुलासा करने से इनकार कर रही है.

इस्लामाबाद की गरीब ईसाई बस्ती, जिसे त्योहार के मद्देनजर सांता हैट और क्रिसमस ट्री से सजाया गया है, के निवासियों में से एक यूसुफ हदायत ने कहा, ''यह काफी खतरनाक है. लोग उसकी हत्या करना चाहते हैं. इस क्रिसमस ईसाई मोहल्लों की सुरक्षा काफी कड़ी रहेगी. इन इलाकों में सरकार सशस्त्र बलों को तैनात करने जा रही है. इन बस्तियों के निवासियों का कहना है कि वे धार्मिक छुट्टी के दौरान पहले से कहीं ज्यादा असहज महसूस करते हैं, जबकि बीबी का भविष्य अभी अधर में लटका हुआ है. इस्लामाबाद स्थित 'होली ऑफ

होलीज चर्च' के पादरी मुनव्वर इनायत ने कहा, ''हम डरे हुए हैं. हम किसी के खिलाफ नहीं बोल सकते.''

गौरतलब है कि पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने अक्टूबर में ईशनिन्दा के आरोप को लेकर बीबी की मौत की सजा को पलट दिया था और उसे दोषमुक्त कर दिया था.

पूरी दुनिया अब भारतीय नौसेना की नज़र में, केवल हिंद महासागर नहीं हर समंदर पर निगरानी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय नौसेना ने एक ताकतवर अंतर्राष्ट्रीय नौसेना की तरह काम करना शुरू कर दिया है. शनिवार को गुरुग्राम में इन्फॉर्मेशन फ्यूज़न सेंटर- इंडियन ओसियन रीज़न ने काम करना शुरू कर दिया. इसके साथ ही हिंद महासागर के साथ-साथ लगभग पूरी दुनिया के समंदरों में चल रहे हर जहाज़ के बारे में हर जानकारी रियल टाइम में भारतीय नौसेना को मिलती रहेगी. इसके लिए अब तक 43 देशों के साथ समझौता हो चुका है.

मुंबई हमले के बाद ही ये तय हो गया कि बिना समुद्र की निगरानी के सुरक्षित रह पाना नामुमकिन है. भारत तीन तरफ़ से समंदर से घिरा है, जिसे इंडियन ओशियन रीजन कहते हैं. हिंद महासागर दुनिया का सबसे व्यस्त जलमार्ग है. दुनिया भर का एक तिहाई सामान, आधा कंटेनर में लगा सामान और दो-तिहाई तेल इसी समंदर से होकर जाता है. वहीं यहां समुद्री डकैतों, हथियार और नशे के तस्कर और आतंकवादी की मौजूदगी भी रहती है. यानि आर्थिक उन्नति और सुरक्षा दोनों के लिए ही हिंद महासागर क्षेत्र को सुरक्षित रखना ज़रूरी है.

2012 में इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट एंड एनालिसिस सेंटर यानि आईमेक की नींव रखी गई जिसने 2014 में काम करना शुरू कर दिया. भारत की 7500 किमी लंबी समुद्री सीमा पर कुल 51 रडार स्टेशन लगाए गए जिनके ज़रिए हिंद महासागर में आने वाले हर जहाज़ के बारे में हर सूचना, जैसे जहाज़ में लदा सामान, जहाज़ का नाम और देश का नाम, कहां से आ रहा है और कहां जाना है, जहाज़ में सवार क्रू के बारे में पूरी जानकारी रियल टाइम में गुरुग्राम के आईमेक तक आती रहती है. 51 स्टेशन से कैमरों के ज़रिए भी फीड लगातार सेंटर तक आती है.

दरअसल, हर जहाज़ को अंतर्राष्ट्रीय नियमों के तहत खुद को रजिस्टर करना होता है और उसके आटोमैटिक आईडेंटिफिकेशन सिस्टम के ज़रिए उसकी हर गतिविधि पर नज़र रखी जाती है. अगर किसी जहाज़ के पास ये सिस्टम नहीं है या वह किसी और के रजिस्टर्ड नंबर का इस्तेमाल कर रहा है तो उसका फौरन पता चल जाता है. इससे पूरे हिंद महासागर पर नज़र रखी जाती है.

शनिवार को भारतीय नौसेना ने दुनिया के 43 देशों के स्टेशनों को भी इस सेंटर में शामिल कर लिया. यानि अब वे देश भी भारतीय नौसेना की जानकारियों का फ़ायदा उठा पाएंगे. बदले में भारतीय नौसेना को पूरी दुनिया के हर समंदर में मौजूद किसी भी जहाज़ की जानकारी पा लेना संभव होगा. फ़िलहाल इस सेंटर में दूसरे देशों से टेलीफोन या इंटरनेट के ज़रिए संपर्क होगा लेकिन भविष्य में इन देशों के अधिकारी भी इस सेंटर में बैठ सकेंगे और समंदर पर नज़र रखने में सहयोग करेंगे.

इंडोनेशिया में आयी भयंकर सुनामी, मृतकों की संख्या 168 तक पहुंची

जकार्ता (एजेंसी)।

इंडोनेशिया के सुंडा जलडमरूमध्य में शनिवार रात ज्वालामुखी फटने के बाद आई सुनामी में मरने वालों की संख्या 168 हो गई है तथा सैकड़ों लोग घायल बताए जा रहे हैं। सुनामी ने कई पर्यटक बीच और तटवर्ती इलाकों को अपनी चपेट में ले लिया और भारी तबाही मचाई। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी ने बताया कि आपदा में 700 से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबर है और कम से कम 30 लोग लापता हैं। एजेंसी ने बताया कि क्राकाटोआ ज्वालामुखी फटने के बाद शनिवार को स्थानीय समयानुसार रात 9ः27 बजे दक्षिणी सुमात्रा और पश्चिमी जावा के पास समुद्र की ऊंची लहरें तटों को तोड़कर आगे बढ़ीं जिससे अनेक मकान नष्ट हो गए। लोगों को बचाने के लिए खोज और बचाव का काम तेज कर दिया गया है।

इंडोनेशिया की मौसम विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी के वैज्ञानिकों ने कहा कि अनाक क्राकाटाओ ज्वालामुखी के फटने के बाद समुद्र के नीचे भूस्खलन सुनामी का कारण हो सकता है। उन्होंने लहरों के उफान का कारण पूर्णिमा के चंद्रमा को भी बताया। इंडोनेशिया की भूगर्भीय एजेंसी सुनामी की असली वजह पता लगाने में जुटी है।प्रत्यक्षदर्शियों ने सोशल मीडिया पर सुनामी का मंजर सोशल मीडिया पर बयां किया है। ओयस्टीन एंडरसन ने फेसबुक पर लिखा, ''तट से गुजरते समय लहरों की ऊंचाई 15 से 20 मीटर थी, जिसकी वजह से हमें तट से भागना पड़ा।'' उसने कहा कि वह ज्वालामुखी की तस्वीरें ले रहा था कि अचानक तेज गति से आती एक बड़ी लहर दिखी। एंडरसन ने लिखा, ÷दूसरी लहर एक होटल में घुसी जहां हम रुके हुए थे। मैं परिवार के साथ किसी तरह जंगल और गांव के रास्ते बचने में कामयाब रहा, फिलहाल स्थानीय लोग हमारी देखभाल कर रहे हैं, शुक्र है कि हम सुरक्षित हैं।÷

टीवी चैनलों पर जावा के पश्चिमी पट पर स्थित मशहूर कारिता बीच पर हुए नुकसान की तस्वीरें भी दिखाई जा रही हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने भी आंखों देखा मंजर बयान किया है।सुनामी के समय कारिता बीच पर मौजूद मुहम्मद बिनतांग ने बताया कि अचानक तेज लहरें उठने लगीं और अंधेरा छा गया। पंद्रह वर्षीय बिनतांग ने कहा, ÷हम रात करीब नौ बजे यहां आए थे कि अचानक तेज लहरें उठने लगीं, अंधेरा छा गया और बिजली चली गई।'' सुनामी का सबसे ज्यादा प्रभाव जावा के बातेन प्रांत के पांडेंगलांग क्षेत्र में पड़ा है।राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता सुतोपो पुर्वो नुग्रोहो ने कहा कि अब तक आपदा में 168 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है और अन्य 30 लोग लापता हैं तथा 745 लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि हताहत होने वाले लोगों की संख्या में और इजाफा हो सकता है क्योंकि सभी प्रभावित क्षेत्रों तक संपर्क नहीं हो सका है। नुग्रोहो ने कहा कि खोज और बचाव के लिये बुरी तरह प्रभावित इलाकों में भारी मात्रा में उपकरण भेजे जा रहे हैं। इंडोनेशिया की भूगर्भीय एजेंसी के मुताबिक अनाक क्राकाटोआ ज्वालामुखी में बीते कुछ दिनों से राख उठने की वजह से कुछ हरकत

होने के संकेत मिल रहे थे।इसके अलावा दक्षिणी सुमात्रा के बांदर लामपंग शहर में सैकड़ों लोगों को गवर्नर के कार्यालय में शरण लेनी पड़ी है।भूभौतिकी एजेंसी ने कहा कि हिंद महासागर और जावा समुद्र को जोड़ने वाले सुंडा जलडमरूमध्य में सुनामी आने से करीब 24 मिनट पहले अनाक क्राकाटाओ ज्वालामुखी फटा था। देश की राजधानी जकार्ता से करीब 200 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में 305 मीटर ऊंचा ज्वालामुखी जून से ही फटना शुरू हो गया था। अधिकारियों ने ज्वालामुखी के गड्ढे से दो किलोमीटर तक के क्षेत्र को प्रतिबंधित जोन घोषित कर लोगों को वहां नहीं जाने का परामर्श जारी किया था।इससे पहले सितंबर में सुलावेसी द्वीप पर पालू शहर में आए भूकंप और सुनामी में करीब 2,500 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी।

जिम मैटिस के त्यागपत्र में नए रक्षा मंत्री के सामने चुनौतियों का भी जिक्र

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिकी रक्षा मंत्री जिम मैटिस के इस्तीफे को ट्रंप के साथ दो साल के कामकाज की कुंठा के नतीजे के तौर पर देखा जा रहा है। इसके साथ ही मैटिस के उत्तराधिकारी के सामने आने वाली चुनौतियों पर भी चर्चा शुरू हो गई है। पत्र में मैटिस ने न सिर्फ देश बल्कि भावी रक्षा मंत्री के सामने आने वाली चुनौतियों का भी जिक्र किया है। अमेरिकी सीनेट में विदेश संबंधों की समिति के सदस्य बॉब मेनेनडेज़ का कहना है कि मैटिस का इस तरह इस्तीफा बड़ा नुकसान है और और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नाकाम और अराजकता में उलझी हुई विदेश नीति का वास्तविक संकेत है। गौरतलब है कि मैटिस ने गुरुवार को इस्तीफा देने का एलान किया था। माना जा रहा है मैटिस ने यह फैसला ट्रंप के हाल ही में लिये गए उस फैसले से असहमति के चलते लिया है जिसमें ट्रंप ने सीरिया में इस्लामिक स्टेट से लड़ रहे करीब 2 हजार अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने की बात कही थी। इसके अलावा उनके त्यागपत्र से स्पष्ट होता है कि मैटिस अफगानिस्तान में सैनिकों की संख्या में कटौती और डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नाटो की उपेक्षा किये जाने और एशिया में सैनिकों की तैनाती पर शक करने से भी खफा थे। अपने त्यागपत्र में मैटिस ने लिखा कि वह अमेरिकी विदेश नीति के बारे में ट्रंप के रवैये को सहन नहीं कर सकते। मैटिस ने अपने त्यागपत्र में न सिर्फ इस्तीफा देने की वजह बताई है बल्कि आने वाले खतरों से भी आगाह कराया है। उन्होंने रूस का सामना करने और चीन के खिलाफ कड़ा रुख अख्तियार करने में ट्रंप की अनिच्छा की भी आलोचना की है। मैटिस ने लिखा कि मुझे लगता है कि हमें उन देशों के प्रति अपने दृष्टिकोण को दृढ़ और स्पष्ट करना चाहिए, जिनके सामरिक हित हमारे साथ तनाव को बढ़ा रहे हैं। मैटिस ने लिखा, चीन और रूस जैसे देश अपने अधिकारवादी मॉडल के अनुरूप दुनिया को एक आकार देना चाहते हैं ताकि वे अपने पड़ोसियों, अमेरिका और हमारे सहयोगियों की कीमत पर अपने हितों को बढ़ावा दे सकें। उन्होंने लिखा कि अमेरिका स्वतंत्र विश्व में अपरिहार्य बना हुआ है।

डांग में सूरत के विद्यार्थियों से भरी बस 200 फूट गहरी खाई में गिरने से तीन विद्यार्थियों की मौत

34 विद्यार्थियों को उपचार के लिए हास्पीटल में दाखिल कराया गया

सूरत। शहर के अमरौली क्षेत्र में संचालित ट्यूशन क्लास के संचालकों द्वारा अपे विद्यार्थियों को डांग भ्रमण के लिए ले जाया गया था। भ्रमण से वापस लौटते समय विद्यार्थियों से भरी बस महाल बरडीपाड़ा रोड़ पर ऊंचाई से निचे उतरते समय बस अचानक 200 फूट गहरी खाई में गिर पड़ी। जिससे 3 विद्यार्थियों की मौत हो गई। तथा अन्य सभी विद्यार्थियों को उपचार के लिए हास्पीटल में भर्ती कराया गया।

प्राप्त जानकारी अनुसार ट्यूशन संचालकों द्वारा 22 दिसंबर की सुबह गुरुकृपा ट्रेवल्स की बस नं. जीजे 05 जेड 9993 में 80 विद्यार्थियों को डांग भ्रमण के लिए ले जाया गया था। इन विद्यार्थियों की शबरीधाम, पंपा सरोवर, सहित कई स्थलों पर घुमाने के बाद वापस लाया जा रहा था। तभी डांग महल बरडीपाड़ा के ढालू रास्ते पर ड्राईवर ने स्टेरिंग से नियंत्रण खो दिया। जिससे विद्यार्थियों से भरी बस 200 फूट गहरी खाई में गिर गई। जिसके कारण तीन विद्यार्थियों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। जबकि अन्य विद्यार्थियों को हल्की तथा गंभीर चोटें आई। जिन्हें तत्काल उपचार के लिए निकट के सिविल हास्पीटल में दाखिल कराया गया। जबकि उनमें से दो विद्यार्थियों को सूरत के न्यू सिविल हास्पीटल में रेफर कर दिया गया।

घटना की जानकारी मिलते ही नजदीक के गांव में रहने वाले लोग राहत एवं बचाव के लिए तत्काल घटना स्थल पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों की सुचना पर 108 नं. की गाड़ी भी मौके पर पहुंच गई। 108 नं. की गाड़ी घायलों को निकट के अस्पताल में पहुंचाया।

सूरत कलेक्टर धवल पटेल ने बचाव के लिए हैवी क्रेन भेजी

डांग के कलेक्टर द्वारा सूरत के कलेक्टर धवल पटेल ने संपर्क कर समस्त घटना की जानकारी दी गई। जिसपर सूरत कलेक्टर ने बचाव कार्य के लिए सूरत से हैवी क्रेन रवाना किया। जिसकी मदद से खाई में फंसी बस को निकाला गया। देर शाम तक राहत एवं बचाव का काम जारी रहा। अंधेरा हो जाने के बाद राहत एवं बचाव कार्य

अमरोली क्षेत्र के ट्यूशन क्लासेज के विद्यार्थी गुरुकृपा ट्रावेल्स की बस से घुमने गए थे

में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। जिन विद्यार्थियों को अहवा सिविल में दाखिल कराया गया उनमें श्वेता राजेश सागरिया (12) जयसिंह महेन्दर् परमार (15) रवि ईश्वर पटेल (9) जयेश मुकेश प्रजापति (10) दिव्येश सोलंकी (6) पंकज वणकर (12) देव सोलंकी (13) उर्मिला बेन नगीन भाई पटेल (57) दिवया भूतवर (8) तथा एक 12 वर्ष का विद्यार्थी शामिल है। इन सभी को 108 सेवा के माध्यम से हास्पीटल तक पहुंचाया गया।

बस दुर्घटना में मारे गए दो विद्यार्थियों तथा एक महिला की अंतिम यात्रा निकली

सासंद सी.आर. पाटील, गणपत वसावा तथा मुकेश पटेल ने अमरोली समर्थपार्क में मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की

अमरौली छापरा भाटा रोड़ से ट्यूशन संचालकों द्वारा डांग भ्रमण का आयोजन किया गया था। शनिवार की शाम भ्रमण से वापस लौट रही बस महाल के निकट अनियंत्रित होकर 200 फूट गहरी खाई में गिर पड़ी। जिसमें 10 लोगों की मौत हो गई। जिसमें कई बच्चे भी शामिल है। मृतकों में अमरौली कोसाड़ रोड़ स्थित समर्थ पार्क निवासी ध्रुबी नामक छात्रा तथा उसकी माता हेमलता बेन तथा तृषा मुकेश भाई पटेल इन तीनों की अंतिम यात्रा रविवार की सुबह निकाली गई।

एक साथ तीन-तीन शव यात्रा निकलने से समस्त अमरौली क्षेत्र में शोक का माहौल पसर गया। मृतकों को श्रद्धांजलि देने के लिए नवसारी लोकसभा के सांसद सी.आर.पाटील, मंत्री गणपत भाई वसावा तथा ओलपाड़ के विधायक मुकेश पटेल सहित शहर के कई अग्रणी पहुंचे। इस घटना के चलते सम्पूर्ण शहर में शोक की लहर दौड़ गई।

इस घटना से अभिभावकों में बच्चों की सुरक्षा कों लेकर चिंताएं होने लगी है इस घटना ने अभिभावकों को अंदर तक झकझोर दिया है। बच्चों की सुरक्षा को लेकर माता पिता इतना डरे और सहमें हुए है कि शायद वे भविष्य में अपने बच्चों की इस तरह से भ्रमण पर न जाने दे।

कडोदरा में लारी गल्ला पर दारू बेचने की लोक दरबार में शिकायत

पुलिस ने 20 से अधिक लारी गल्ले को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरु की

सूरत। कड़ोदरा में दो दिन पूर्व पुलिस के लोक दरबार में भाजपा के एक अग्रणी ने लारी-गल्ला पर दारू की पोटली बेचे जाने की शिकायत किए जाने के बाद पुलिस ने लारी गल्ला वालों पर कार्रवाई करते हुए 20 से अधिक लारी गल्ला जप्त कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कडोदरा मे दो दनि पहले पुलिस द्वारा लोक दरबार का आयोजन किया गया था। जिसमें भाजपा तथा कांग्रेस के अग्रणी भी हाजिर हुए। लोकदरबार में अग्रणियों द्वारा कडोदरा चार रास्ता के आस पास लगने वाले लारी गल्लाओं पर गैर कानूनी तरीके से जाम लगाकर उन पर दारू की पोटली बेचने की शिकायत की गई थी। ट्राफिक पुलिस से भी अवैध अतिक्रणण हटाने की शिकायत की गई थी। भारतीय जनता पार्टी के अग्रणी उमाशंकर दूबे द्वारा निवेदन किया गया था कि नूरी मीडिया से सीएनजी पम्प तक लगने वाले कई लारी गल्ला पर अंडे के साथ दारू की भी ब्रिकी की जाती है। उनके इस निवेदन पर पुलिस ने 20 से अधिक लारी-गल्लों को डिटेन कर कानूनी कार्रवाई शुरु कर ीद है।

गौरतलब है कि शराबबंदी के बाद भी इतनी मात्रा में दारू सूरत में कहां से आता है। क्या स्थानीय पुलिस को इस बात की जानकारी नहीं है कि यह दारू कहां से आती है। लोगों का कहना है कि पुलिस की बिना मेहरबानी के शहर या आसपास के क्षेत्रों में गैरकानूनी धनधों का कारोबर हो ही नहीं सकता। ऐसे में पुलिस की ईमानदारी और कर्त्तव्य निष्ठा पर सवाल उठना लाजमी है। ऐसा कहा जाता है दारू का अवैध धन्धा करने वाले बिना पुलिस की मिली भगत से यह कारोबार संभव ही नहीं है। यदि कोई व्यक्ति अवैध दारू की बिक्री की शिकायत पुलिस से करती है तो पुलिस वालों द्वारा ही बुटलेगर को सूचित कर दिया जाता है कि तुम्हारे बारे में शिकायत करने वाले व्यक्ति से बुटलेगर की दुश्मनी हो जाती है और बुटलेगर उस व्यक्ति के साथ जानबूझ कर झगड़ा कर उसे झूठे मामलों में फंसा देता है। जिसमें स्थानीय पुलिस भी मिली रहती है।

सोनार की जेब से 4.10 लाख का सोना चोरी

सूरत। चोकबाजार पुरानी सिविल हास्पीटल, गांधी जी के प्रतिमा के पास सोने चांदी का काम करने वाले एक सोनार की जेब से 4.10 लाख रुपये कीमत के सोने की चोरी का मामला प्रकाश में आया है।

सोने के गहने लेकर सोनार अपने दो ग्राहकों के साथ चौकबाजार, गांधी प्रतिमा के पास आटोरिक्शा में बैठा। उसी समय रिक्शा में पहले से बैठे दो यात्रियों ने उसे आगे पीछे होने का कहा। इसी बीच उन दोनों ने सुनार की जेब से सोने की थैली निकाल ली। इसके बाद रिक्शा चालक ने पहले से बेठे दोनों को उतार दिया। इस तरह अपनी जेब से सोने की चोरी हो जाने पर सोनारने रिक्शा चालक सहित दो अज्ञात लोगों द्वारा चोरी की शिकायत पुलिस में की। सूत्रों के अनुसार गोपीपुरा सुभाष चौक के पारुल अपार्टमेंट में रहने वाले लखन प्रमोदनाथ दास सोने चांदी के गहने बनाने का काम करते है। शनिवार की रात्रि को वे अपने ग्राहक के साथ गांधी प्रतिमा के पास रिक्षा में बैठे। रिक्शा में पहले से बैठे एक पुरुष तथा महिला ने आगे पीछे बैठने की बात कर उनकी जेब में रखा सोना निकाल लिया और कुछ दूर जाकर उतर गए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर माला दर्ज कार्रवाई शुरु कर दी है।

भाजपा अनूसूचित जाति मौर्चा का स्नेह मिलन आयोजित

सूरत। अनूसूचित जाति मौर्चा सूरत महानगर के प्रमुख कांतिभाई राठौड़ ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि अनूसूचित जाति मौर्चा सूरत महानगर सूरत जिला तथा तापी जिला के संयुक्त तत्वाधान में रविवार को स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। पांडित दीनदयाल भवन, भाजपा कार्यालय, उधना मेन रोड़ सूरत में आयोजित इस कार्यक्रम में राज्यसभा के सांसद तथा अनुसूचित जाति मौर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शंभुनाथ टुंडिया बापू, डाक्टर आंबेडकर अत्यादेय विकास निगम के चेयरमैन तथा प्रदेश मौर्चा के महामंत्री गौतम भाई गेडिया, भाजपा सूरत महागनर के अध्यक्ष नितिनभाई भजियावाला, भाजपा सूरत जिला अध्यक्ष दिलीप सिंह राठौड़, भाजपा तापी जिला अध्यक्ष जयराम भाई गामित विशेष रुप से उपस्थित रहे। उपस्थित महानुभावों ने कार्यकर्त्ताओं का मार्गदर्शन किया।

बेगमपुरा में मंजूर प्लान के विरुद्ध निर्माण का डिमोलेशन

सूरत। सेंट्रल जोन के डेप्युटी कमिश्नर तथा कार्यपालक इंजीनियर के निर्देश तथा मार्गदर्शन में सेंट्रल जोन क्षेत्र में मंजूर प्लान के विरुद्ध हुए निर्माण का डिमोलेशन कर अवैध कब्जा हटाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार वेगमपुरा के वार्ड नं. 4 के नोछ नं. 1767, 1768,1769ए, 1769 बी, वाली मिलकत में सूरत महानगर पालिका द्वारा मंजूर प्लान के विरुद्ध किए गए निर्माण को तोडकर जगह खाली कराया गया। इस कार्य में सेंट्रल जोन का शहरी विकास विभाग, अतिक्रमण निरोधक विभाग तथा सिक्युरिटी विभाग की मदद से सफलता पूर्वक किया गया। जिसमें छठे मंजिल पर बने लगभग 860 वर्ग फूट पतरे के शेड तथा 600 फूट चाहर दीवारी को तोड़कर अवैध निर्माण हटाया गया। महानगर पालिका द्वारा जिस प्रकार अवैध निर्माण को ध्वस्त करने की कार्रवाई की जा रही है यदि अवैध निर्माण को पहले ही नहीं होने दिया जाता तो ऐसी नौबत ही नहीं आती।

मोदी ने भी बावलिया-रुपाणी को अभिनंदन दिया

कांग्रेस को जसदण की जनता ने करारा जवाब दिया : रुपाणी

अहमदाबाद। आज के दिन जसदण उपचुनाव में भाजपा की भव्य जीत का उत्सव प्रदेश कार्यालय कमलम् में मुख्यमंत्री विजय रुपाणी की उपस्थिति में जीत का जश्न मनाया गया। जिसमें गांधीनगर, अहमदाबाद के अग्रणी, कार्यकर्ताओं बड़ी संख्या में शामिल हुए। भारत माता की जय, वंद मातरम के नारे के साथ पूरा माहौल गूंज उठा। ढोल-नगारे बजाकर और पटाखे फोड़कर जीत का जश्न मनाया गया। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मीठाई खिलाकर आज की जीत का स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने इस अवसर पर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के प्रचार का जसदण की जनता ने करारा जवाब दिया है। आज की भव्य जीत यह आगामी लोकसभा चुनाव की २६ में से २६ सीटों की जीत का संकेत है। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी जसदण की जीत को लेकर भाजपा के उम्मीदवार कुंवरजी बावलिया और विशेष करके मुख्य विजय रुपाणी और प्रदेश अध्यक्ष जीतु वाघाणी को अभिनंदन दिया गया। गांधीनगर कमलम् में विजय उत्सव के दौरान प्रदेश संगठन महामंत्री भीखुभाई दलसाणीया, महामंत्री केसी. पटेल, प्रदेश अग्रणी महेशभाई कसवाला सहित प्रदेश, गांधीनगर और अहमदाबाद के पदाधिकारी उपस्थित हुए। प्रदेश कार्यालय कमलम् में विजय उत्सव के अवसर पर मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा है कि, जसदण विधानसभा के उपचुनाव में परिणामों में करीब २०,००० वोटों से भाजपा की जीत हुई है। तीन राज्यों के परिणामों के बाद कांग्रेस के उत्साह में कई प्रकार का झूठा प्रचार जसदण में किया गया। ढोल-नगारे बजाकर और पटाखे फोड़कर जीत का जश्न मनाया गया। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मीठाई खिलाकर आज की जीत का स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने इस अवसर पर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के प्रचार का जसदण की जनता ने करारा जवाब दिया है। लेकिन जसदण की जनता ने भाजपा के कुंवरजी बावलिया को करीब २०,००० भारी मतों से जीत दिलाई है। गत बार कुंवरजी बावलिया करीब ९००० मतों से जीते थे और अब २०,००० वोटों से जीते है यह बताता है कि,यह जीत भाजपा के कमल की जीत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास की राजनीति की जीत है। केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के द्वारा किये गए विकास के कार्यो की जीत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कुंवरजी बावलिया और विजय रुपाणी, को अभिनंदन दिये थे।

वराछा के मानगढ़ चौक मीनी बाजार के निकट लगी भीषण आग

सूरत। रविवार की सुबह वराछा के मीनीबाजार के निकट ठाकोर द्वारा सोसायटी में भीषण आग लगने से अपरा तफरी मच गई। सोसायटी की मीटर पट्टी शार्ट सर्कीट के कारण आग लग गई। सूचना मिलते ही फायर की टीम ने घनटा स्थल पर पहुंच कर आग को नियंत्रण में कर लिया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम भी घटना स्थल पर पहुंची आग इतनी भयंकर थी की उसकी चपेट में आकर घर का सारा सामान जलकर खाक हो गया। गनीमत यह रही की इस घटना में किसी की जानहानि नहीं हुई। आग की चपेट में आकर नजदीक में पार्क की गई दो मोटरसायकल भी जलकर खाक हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि मीटर पेटी पर अचानक लकड़ी का फट्टा गिरने से मीटर में शार्ट शर्कीट होने से आग लग गई।

डांग दुर्घटना में मृतकों के परिजनों को ढाई लाख रुपये की सहायता

अहमदाबाद। सूरत शहर के अमरेली और छापराभाठा क्षेत्र की प्राथमिक स्कूल के बच्चों को टयूशन देता गुरुकृपा क्लासीस के संचालकों द्वारा प्रवास पर ले गये बच्चों की बस शनिवार को महाल-बरडीपाडा के बीच मोड़ पर बसचालक ने स्टियरिंग पर से नियंत्रण गंवा देने से बस मार्ग साइड की २०० फीट गहरी खाई में गिरने से गंभीर दुर्घटना हुई थी। जिसमें बच्चों सहित १० की मौत हुई थी। जबकि कई घायल हुए। ड्राइवर ने शराब पीये होने की जानकारी सामने आई है। जिसे लेकर अब पुलिस ने आरोपी ड्राइवर संजय मेहता और टयूशन क्लासीस की संचालक नीता पटेल के विरूद्ध लापरवाही बरतने का अपराध दर्ज किया गया है। दूसरी तरफ, राज्य सरकार की तरफ से मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने डांग दुर्घटना में शिकार हुए मृतकों के परिजनों को ढाई लाख रुपये की और घायलों को एक लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की गई थी। डांग दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए ड्राइवर संजय जीतेन्द्र मेहता को सूरत सिविल अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। इसे सिविल अस्पताल में नजर कैद रखने का आदेश दिया गया है। सूरत भाजपा द्वारा डांग दुर्घटना के शोक में जसदण उपचुनाव में भाजपा ने जीत का उत्सव नहीं मनाया जाएगा यह निर्णय लिया गया। डांग जिले के महाल-बरडीपाडा रोड पर शनिवार को दोपहर में अमरेली से विद्यार्थियों को प्रवास में लेकर जा रही एक बस अचानक सैकड़ों फीट गहरी खाई में गिरने से गंभीर दुर्घटना हुई थी। इस घटना की वजह से डांग क्षेत्र, अमरेली सहित राज्यभर में सनसनी मच गई। इस दुर्घटना में १० विद्यार्थियों की मौत हो गई थी और ७४ से ज्यादा घायल हो गए थे।

जसदण की हार कांग्रेस के लिए बहुत ही चौंकाने वाला

अहमदाबाद। जसदण की आज की हार यह कांग्रेस के लिए बहुत ही चौंकाने वाला है, कांग्रेस ने जसदण गंवाकर एक तरीके से लोकसभा की आगामी चुनाव में अपनी जीत की उम्मीद पर एक प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है, जिसकी सीधी असर कांग्रेस के छोटे के छोटे कार्यकर्ता से लेकर स्थानीय नेताओं और अग्रणी के मनोबल पर पड़ेगा। जसदण की हार से फिर एक बार कांग्रेस का संगठन और रणनीति कमजोर साबित हुई है।

तीन राज्यों में कांग्रेस की सरकार बनी इसके बाद गुजरात कांग्रेस में और इसके संगठन में एक नया जोश पैदा किया जाएगा और इसकी सीधी असर जसदण उपचुनाव में देखने को मिलेगी यह अपेक्षा थी।

खुद भाजपा भी आंतरिक तरीके से जसदण में कहीं न कहीं हार का सामना नहीं करना पड़े इसी चिंता में डूब गई थी लेकिन यह मामला ग्राउन्ड रियालिटी नहीं बन सकी। राजस्थान और छत्तीसगढ़ के अलावा मध्यप्रदेश में जिस तरीके से कांग्रेस संगठित होकर कामकाज किया और सत्ता को हासिल किया इस प्रकार की यूनिटी फेक्टर का जसदण में कमी देखने को मिली यह कहा जा सकता है। दूसरी तरफ भाजपा की सबसे बड़ी ताकत इसका संगठन है। चुनाव में भरत बोघरा कुंवरजी बावलिया के विरूद्ध लड़े थे उनके हाथ में इस बार बावलिया को जीताने की जिम्मेदारी थी यह उन्होंने अच्छे तरीके से निभाई। यह मामला भाजपा के संगठन की असली ताकत और रणनीति को लागू करने की क्षमता को बताता है। दूसरी तरफ, फिलहाल में भाजपा की तीन राज्यों में पराजय, एन्टी इन्कम्बन्सी राज्य में कमी की स्थिति, किसानों का प्रश्न, पाटीदार फेक्टर जैसे कई मुद्दे होने के बावजूद भी कांग्रेस यह सीट बरकरार रखने में विफल रही है। जिसके पीछे कांग्रेस का कमजोर संगठन जिम्मेदार है और इसमें अभी बहुत काम करने की जरूरत है। कांग्रेस की पूरी रणनीति विफल साबित होने पर अब स्थानीय नेतृत्व के खिलाफ भी सवाल उठाये जा रहे है। इतना ही नहीं जसदण में पाटीदार फेक्टर भी कांग्रेस की मदद नहीं कर सका।

जसदण : अब तक की स्थिति

अहमदाबाद, २३ दिसम्बर।

गुजरात में सत्तारूढ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जसदण विधानसभा उपचुनाव में रविवार को आसानी से जीत दर्ज कर ली। इसी के साथ सदन में भाजपा का संख्या बल १०० पर पहुंच गया है। भाजपा के प्रत्याशी कुंरवजी बावलिया ने अपने निकटम प्रतिद्वंद्वी काग्रेस के अवसर नाकिया को १९,९८५ वोटों से शिकस्त दी। इस बैठक की स्थिति नीचे के अनुसार है।

- १९९० - भीखाभाई बांभणइया (निर्दलीय)
- १९९५ - कुंवरजी बावलिया (कांग्रेस)
- १९९८- कुंवचरजी बावलिया (कांग्रेस)
- २००२ - कुंवरजी बावलिया (कांग्रेस)
- २००७ - कुंवरजी बावलिया (कांग्रेस)
- २००९ - डॉ. भरत बोघरा (भाजपा) - उपचुनाव
- २०१२- भोला गोहेल (कांग्रेस) - उप चुनाव
- २०१७ - कुंवरजी बावलिया (कांग्रेस)
- २०१८ - कुंवरजी बावलिया (भाजपा) - उपचुनाव

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)